# पर नुस नहेग्र परे सके दि हेत ही हुर न



य खेंदुः मुः देव सं छेश न इस्रश

## न्गारःळग

र्बे व. प्रज्ञे	./3
सर्कें न् में ने	./5
सर्कें प्रहेत्र हे 'सूर्' प्रवेद्र रूप्या	/9
ग्रुर्शम्बुग्हेव्शीः द्रग्रूर्ळग	./10
अर्के द्रम्व भी मा बुद्य मा बुवा द्र र र व मा व्या भी भी र ।	/13

## र्कू व. पर्ग्री

र्श्वः त्वर्तः त्वर्तः त्वर्तः त्वर्तः हो । त्वर्त्तः त्वर्तः त्वर्वः त्वर्वः त्वर्वरः त्वर्तः त्वर्वः त्वर्वः त्वर्तः त्वर्वः त्वर्वः त्वर्वः त्वर्व

ब्रेशन्त्रस्य स्थान्य स्थान्य

सक्ट्र-हेब-दी-वाश्वत्य-स्ट्री वार्ड-स्-वाश्वर्य-स्ट्री सक्ट्र-हेब-क्री-वर-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-स्थान्त सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्रिय-सक्ट्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-हेब-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-क्र-हेब-क्र-

नेरास्य वित्य प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र

सक्ट्र-हेब्-म्री-पविट-सिप्र-स्ट-म्रा-इ-स्यान्त्र-स्ट-म्य-प्र-प्रक्षा अरम्-स्त्र-स्वान्य-स्त्र-स्वान्य-स्त्र-स्व

द्रियश्यी अर्केद्र हेत्र माल्य लेगा द्रिय सेद्र सेद्र

क्री.सक्त्यं चीरालुयं खे.यी शर्य, व्यान्य प्रियान्य श्री ।

दे.की.यीतु . जू. चीयार्य, व्यान्य प्रियान्य प्रयान्य प्रियान्य प्रियाय्य प्रियाच्य प्रियाच्य प्

### यकेंद्रमेव पति द्या प्राप्त कु यक्ता

वयभाविकाक्यिक्ष प्रवक्तान्त्री हुँ स्वावे क्षेत्राक्ष्या क्षेत्राक्ष्या क्षेत्राक्ष्या व्यक्ताविकाक्ष्य विकानिक्ष्य विकानिक्षय विकानिक्ष्य विकानिक्य विकानिक्षय विकानिक्य विक

चर्षियाश्चर्या हुष्ट्र इ.स. स्वीयाश्चर चित्र क्षेत्र स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वया स्व

अर्केन्द्रेन्न्यवेन्यन्त्र्वेयान्त्रेन्।

यान्त्रव्हेन्द्रम्यवेन्यन्त्रेयान्त्रेन्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रेन्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम्यान्त्रम्यवेन्द्रम

रेया तु पे प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त

चल्यामान्यास्त्र विद्यास्त्र स्टानम् क्ष्यास्त्र स्टानम् क्ष्यास्त्र स्टानम् विद्यास्त्र स्टानम् विद्यास्त्र स्टानम् विद्यास्य स्टानम् स्टानम् स्टानम् विद्यास्य स्टानम् स्टानम्य स्टानम् स्टानम् स्टानम्य स्टानम् स्टानम् स्टानम् स्टानम् स्टानम्य स्टानम् स

ङ्ख्याचीश्वरह् वा चिश्वश्वराचिश्वर्यः हेर् र.चे. दे स्वाप्ते प्रति र.चे. वा विश्वराचित्रः वा विश्वराचित्रः वा विश्वराचित्रः वा विश्वराचित्रः विश्वरः विश्वराचित्रः विश्वराचित्रः विश्वराचित्रः विश्वरचत्रः विश्वरचत्रः

द्वित्त्वत्तात्त्वेद्वः विद्वः विद्व

मैशनशुः भ्रुवः मन्दरः नवे हेन वडेवायमा से ने दृष्ट्र स्राप्ति

देन्-श्र-नन्।

हेन्-प्रने-प्रनाथनः स्वर्णः स्वरं स्

यालेगाणेव नाश्र स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

ॷॴॖॱॺॊॱॾॕॴॖॱॸॖॏ॔ड़ॱॿॖॱख़॓ढ़ॱय़ॕॱॸॿॣॗॸॺॱऄ॔।। ॴॸॱॸ॔ॸॱॿॖॱढ़ॴॱॺॊॱॸॖॏ॔ढ़ॱॺॖ॓ॱख़ॸॱय़ॕॸॱॸॖऒॱॾढ़ॆॱॼऄॕ॒ॱऄॣ॔ढ़ॱॸॖ॔ॺॱॾॕॴॱफ़ॖॱॺॗॖॸॱॸॆॱॸॺॸॺॱऄॣ॔ॸॱढ़ॶॺॴॎढ़॓ॺॱॸ॔ॸॱॿॆॎॱॸॸॖढ़ॱ

#### सर्केन् हेन्द्र सून्यविद्रशासदे सुवा

अर्केन्द्रेत् श्री कुंक गाँउ में नृत्य कु अर्थ अर्थ अर्थ निष्य निष्य दिन अर्थ श्री माद्रेश अर्केन्द्रेत अर्थ किंद्र किंद्र अर्थ किंद्र किंद्र

क्षेत्राधिस्रम् स्वास्त्र स्वास्त्र

#### ग्राबुद्यान्त्रवात्र्याः म्या

- (१) देर नर्शेय देवाश्र व्याय सुरश्य द्वु क्षु नुदे देर नर्शेय द्वि क्व विर्मर या नन्य सदे देय नु श्रु स दु श्री विव
- (१) नरे नरमिनेग्रासदे वसेयाम्इर।
- (३) इ.मूर्-इश्चित्र्य्ये अ.मूर्यं अ.मूर्यं अ.मूर्यं विष्यं विषयं वि

- (८) ह्र.च्रुष्ट्रंभ्यंनिधिकान्त्रान्टान्यन्यन्त्रीयःश्र्या
- (५) श्रूचः न्यूचः पड्यः प्यूचः पात्र यः ग्रीः न्यः श्री
- (6 य) मूर्यासम्बद्धान्यसम्यसम्बद्धान्यसम्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धानसम
- (य य) में र असर्केनानी न न न न हो न उन्
- (१) श्रुं म्प्र्व देया तुः ही व रहेवा
- (१) व्यद्र रहन किर में विर साथी में रदा र्रे द रहता
- (१०) कु:र्ने द्रायदें द्रायदें द्रायदें व्या क्षेत्र क
- (११) वेपाकेदापड्यायम्।पर रुर्गेर्मर अप्रेश्चनशास्त्र केदार्स प्रमुत्र अर्थोद्वर केदार्स प्रमुत्र प्रदेश प्रमुत्र अर्थोद्वर केदार्स प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र अर्थोद्वर केदार्स प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र अर्थोद्वर केदार्स प्रमुत्र प्रमुत्य प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्र प्रमुत्य प्रमुत्य प्रमुत्
- (१३) क्षुक्तमार्वाप्याप्याप्याप्याचित्रमें हें तेंदे वियम् सेर्स्स् हें दर्मे यारेया स्
- (१८) मूर्-अ.अकूचे.ची.र्शायमूर-कंचेश-इंग्राज्य चीय.वी
- (१५) वेना केंद्र केंद्र सिंद्र मी सिंह रहा बुन देया वा
- (१६) हेद प्रश्रुश हीं र में या देया है।
- (१२) महक्रित्रभुम्बेद्रम्सम्ब्रित्नी त्रामन्
- (१४ थ) श्रुनश्रसमें व पहले व श्रुन्द्रिय के व से दि प्राप्त कि व से दि प्राप्त के व से दि प्राप्त के व से दि प
- (१६ र) मॅद्रशसर्केनानी द नवद दरहेत दर्शने पाना
- (१० २) मूर्या श्रीयश्राम्य विष्य क्षेत्र म्राप्त निवाय श्रीयाया है निर्म्य निवाय है निवाय निवाय है निवाय निवाय
- (११ २) मूर्या अन्यायम् व. क्षेत्र स्थायर श्रेट श्चा चीते श्ची त्रा नश्चित्र राष्ट्र नर्टर हे क्ष्य श्चर
- (११) र्ययासासुदे सास्यासारेयात्।
- (१३) गुर बर भ्रु बेर दुग र न सूत्र पदे द्वर सुग सर्के ग में सुग सेर ।
- (१८) वित्वर्गे.कु.श्रैय.वयम.चेम.वि.श्रूर.ग्री.श्रू.यमायश्रीयमायह.कु.म्या
- (१५) ग्रम्भःनेत्रःसंकेते भ्राप्त
- (१६) में हि सु देर नकुर परहरा न वर्ष मुन कर्त के मार्के के सके दे के निवास

- (१२) में हि सुर्दे प्राध्यापायह सन्वित्स वित्र महत है सदे व नवत
- (१४) न्सॅब्र-म्बर-सॅट-न्युट-सॅ-चक्क्न्-इ-क्य-चक्क्न्-चि-न्यु-न्यु-म्य-स्ट-। वॅन-स्ट्रिट-शन्द-न्युट-स्ट्र-चक्क्न्-स्ट्र-क्य-चक्क्न्-चि-न्यु-न्यु-न्यु-न्य-स्ट-।
- (१) भ्रुःगश्चरः द्युगशः ग्रेः देवः तु(सरशः क्वशः देदः श्वरः वशः दः द्वेतः त्रे । त्रदः क्वः से ससः द्वारः द्वः हे । त्रः वश्वरः स्वे । त्रः वश्वरः स्व । त्रः स्व । त्रः वश्वरः स्व । त्रः वश्वरः स्व । त्रः वश्वरः । त्रः स्व । त्रः
- (४) मु.चर.पसवाशासीया.मी.शरशामीशामी.प्राचयातविवा.मुरी
- (३) वसवाशास्त्रवाश्चीशाकेव द्वायते श्चेद्व द्वाप्त्रवे श्वायत्र श्वायत् श्वायत् ।
- (~) द्रम्यानुकाशी विक्रिंद्राचे प्राक्षर वहे प्रकार्ष्य क्षा क्षा भी का शी द्रश्री वा विक्र शी का शी श
- (५) र.सं.केदे हें ते से नर्से देहे दे नर्से म्बरायह्वया से न
- (६) क्रूम.मिता.सूर. यथ्य.स्या.सूर्य.सीया.सूर्
- (2) इ.ध.स.कूरायायाक्ष्यास्त्राचीतायाक्ष्यास्यास्यास्या
- (1) हे सु अर्डें दायन के द से वे सुवा कुं (सुवा कुं वे सुवा सुवे सुवा मुन्ते में से वा प्रति से वा प्रवा ।
- (६) मुलन्तरः ख्रानः केत्र सेदिः भूनशः ग्रीः मात्रुदशः म्रीतः केत्रः विद्यासे न
- (१०) मुल-न्नरःश्चिरःष्ट्राचन्नराच्युःगश्चरायदेःग्नुरःक्ःच्रैनःकेन्।
- (११) में र अ भु छेर न इ न शुरा न सकें न ने र न मु
- (१२ र्) मॅ्ट शसर्केन मे ५५ आ
- (१३ र) में र.स.सक्त्रीची सुद्धिया
- (१०) वे र नुःश्चिर पादे हेद अयदर प्रविष्य भारते वे र भारते वे र भारते वे र भारते वे र भारते व र भारते व र भारते
- (१५) त्य्रमःश्चर्या त्यायाःश्चरः व्याप्त्रमः व्याप्त्यमः व्याप्त्रमः व्याप्त्रमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्यमः व्याप्त्

#### (१२) में र अ अर्केना नी प्रेंट अ प्रहेंद्र न्त्री र रेंद्र रेंद्र रेंद्र हेंदे र नु र अ अ अरे पर नु र ना र र अर

- (१४) सम्बर पर्वे प्रमुख ग्री प्रमुखेर न विग
- (१६) वन्याश्चरमान्वीवायवे देवान्यर देवाळेवायत्त है गुवावत्या
- (१०) समय थी मु सर्वेदे नात्र में मू वेदा मा
- (११) इर द्वन ही नर्व रेथा व
- (११) रट नुट विस्रशक्ते व रेवि महिर हैं भू वर्श
- (१३) न्ययार्विना सेवा क्षेत्र क्षेत्र
- (१८) कु.वार.पर्यश्रम्भरश्रम् १३.८गूर्य.त.र. १५०.८शर.कुर.स्.ह.ह.स.तश्र
- (१५) कु र्चे नार मृत्र स्यायसमाधु सर्वेदे हो साम्राया
- (१६) मॅिट अन्यस्थर उद्दासित पाद्दा ग्राह्म पास्य सकें मा सा सुदि पाद्या के ता में ति है । हिस स्थापित सुमा त्र सि ही ता के ता
- (१२) वन्नशः श्रुद्दशः द्वावः वृत्रः वृतः वृतः वृत्त्रः वह्वाः वृतः वरः या
- (१४) वबर दुवा दर उड्डव द्यार प्रार द्यर दर वबर दुवा सेवास श्रुव सर्वेवा श्रुव द्या
- (१९) देव छेव श्वरश्
- (२०) दत्तु-रेग्यासून्य-स्ग्राम् स्वान्य-हित्नक्त्रम्य के नदे हेत् मी सामुराम् न्या

### सर्कें दाहेत् छी मा बुद्यामा लुवा द्रार्म रा मात्रा छी र्भें दा

स्वान्तरे स्वान्तरे स्वान्तर स्वान्तर

क्र-र्विथ.री.सीज.लूरी वीचीरश्राचिवी.पर्येज.क्षेत्र.क्वित.रीयर.र्जे.यषु.योचीरश्रापयीजा.शु.सूर.सीवीश.र्जेर.योचीरश्राचिवी.क.क्र.खीर.लाट.रीवी.